केन्द्रीय विद्यालय क्रं 1 अर्मापुर,कानपुर

पूर्व परिषदीय परीक्षा (सत्र 2020 -21)

विषय -हिंदी आधार, कोड-302

कक्षा-बारहवीं

समय 3 घंटे पूर्णांक 80 अंक

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्न खंड-पत्र में दो खंड हैं-'अ' और 'ब'| खंड 'अ' में वस्तुपरक तथा खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं।

- खंड 'अ' में कुल 6 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।

- खंड 'ब' में कुल 8 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।

- प्रत्येक उत्तर का क्रम सं.अवश्य लिखें|

खण्ड -अ

प्रश्न 1- निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछें गए के प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 10x1=10

दुनिया शायद अभी तक के सबसे बड़े संकट से जूझ रही है। मौजूदा दौर की महामारी ने हर किसी के जीवन में हलचल मचा दी है। इस पर महामारी ने जीवन की सहजता को पूरी तरह बाधित कर दिया है। भारत में इतनी अधिक आबादी है कि इसमें किसी नियम कायदे को पूरी तरह से अमल में लाना अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। इसमें महामारी के संक्रमण को रोकने के मकसद से पूर्णबंदी लागू की गई और इसे कमोबेश कामयाबी के साथ अमल में भी लाया गया। लेकिन यह सच है कि जिस महामारी से हम जूझ रहे हैं, उससे लड़ने में मुख्य रूप से हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की ही बड़ी भूमिका है। लेकिन असली चिंता बच्चों और बुजुर्गों की हो आती है। इस मामले में ज़्यादातर नागरिकों ने जागरुकता और सहजबोध की वजह से जरूरी सावधानी बरती है। लेकिन इसके समानान्तर दूसरी कई समस्याएँ खड़ी हुई हैं। मसलन आर्थिक गतिविधियाँ जिस बुरी तरह प्रभावित हुई हैं, उसने बहुत सारे लोगों के सामने संकट और ऊहापोह की स्थिति पैदा कर दी है। एक तरफ नौकरी और उसकी तनख्वाह पर निर्भर लोगों की लाचारी यह है कि उनके सामने यह आश्वासन था कि नौकरी से नहीं निकाला जाएगा, वेतन नहीं रोका जाएगा, वहीं उनके साथ हुआ उल्टा। नौकरी गई, कई जगहों पर तनख्वाह नहीं मिली या कटौती की गई और किराए के घर तक छोड़ने की नौवत आ गई। इस महामारी का दूसरा असर शिक्षा जगत पर पड़ा है, उसका तार्किक समाधान कैसे होगा, यह लोगों के लिए समझना मुश्किल हो रहा है। खासतौर पर स्कूली शिक्षा पूरी तरह से बाधित होती दिख रही है। यों इसमें किए गए वैकल्पिक इंतज़ामों की वजह से स्कूल भले बंद हों, लेकिन शिक्षा को जारी रखने की कोशिश की गयी है। स्कूल बंद होने पर बहत सारे शिक्षकों को वेतन की चिंता प्राथमिक नहीं थी, बच्चों के भविष्य की चिंता उन्हें सता रही है। हालांकि एक ख़ासी तादाद उन बच्चों की है, जो लैपटॉप या स्मार्ट फोन के साथ जीते हैं, लेकिन दूसरी ओर बहुत सारे शिक्षक ऐसे भी हैं, जिन्हें कम्प्युटर चलाना नहीं आता है उन सबके सामने चुनौती है ऑनलाइन कक्षाएँ लेने की। सबने हार नहीं मानी और तकनीक को खुले दिल से सीखा। इस तरह फिलहाल जो सीमा है, उसमें पढ़ाई-लिखाई को जारी रखने की पूरी कोशिश की जा रही है।जिसमें काफ़ी हद तक सफल भी हुए है|

(क) उपर्युक्त गद्यांश किस विषयवस्तु पर आधारित है ?

i बेरोजगारी ii शिक्षा की समस्या iii. आर्थिक संकट iv. महामारी का प्रभाव| |

(ख) पूर्णबन्दी लागू क्यों की गई ?

i संक्रमण को रोकने के लिए। ii लोगों की आवाजाही रोकने के लिए।

iii. नियम लागू करने के लिए। iv. लोगों द्वारा नियम नहीं मानने के कारण|

(ग) हमें बच्चों और बुजुर्गों की चिंता क्यों है ?

i कमजोर और अक्षम होने के कारण | ii प्रतिरोधक क्षमता के अभाव के कारण |

iii. अधिक बीमार रहने के कारण | iv. बीमारी का अधिक प्रभाव पड़ने के कारण |

(घ) स्कूली शिक्षा को जारी रखने की कोशिश क्यों की जा रही है।

i प्राइवेट स्कूल के दवाब के कारण ii शिक्षा जारी रखने के लिए।

iii. बच्चों की चिंता के कारण iv शिक्षकों के वेतन के लिए।

(ड) ऑनलाइन शिक्षा एक चुनौती कैसे है ?

i शिक्षक की अकुशलता के कारण ii तकनीकी रूप से योग्य नहीं होना|

iii साधन नहीं होने के कारण iv अभिभावकों की रुचि नहीं होना|

(च) शिक्षकों ने तकनीक को खुले दिल से क्यों सीखा?

i ऑनलाइन पढ़ाने की मजबूरी के कारण| ii अपनी सैलरी के कारण|

iii बच्चों की चिंता के कारण| iv अभिभावकों के भय से|

(छ) महामारी के समय में भी शिक्षकों ने शिक्षक होने का बोध कराया है- कैसे?

i बच्चों की शिक्षा की चिंता द्वारा| ii अपनी नौकरी की चिंता द्वारा|

iii. अपनी सैलरी की चिंता द्वारा। iv तकनीक सीखने की हिम्मत द्वारा| |

(ज) जीवन की सहजता के बाधित होने से आप क्या समझते हैं?

i जीवन में कठिनाई उत्पन्न हो जाना| ii जीवन में संकट उत्पन्न हो जाना|

iii. जीवन में संघर्ष का बढ़ जाना| iv जीवन में आराम नहीं होना|

(झ) भारत में नियम-कानून लागू करना चुनौती क्यों है?

i लोग अधिक होने से। ii अनपढ़ होने से iii नियम नहीं मानने से iv नियम-कानून की समझ नहीं होने से

(ञ) लोगों के जीवन में उहापोह की स्थिति कैसे आ गई?

i महामारी आ जाने से| ii आर्थिक गतिविधियां ठप हो जाने से| iii नौकरी चले जाने से iv तख्वाह नहीं मिलने से|

अथवा

शिक्षा, जीवन के सर्वांगीण विकास हेतु अनिवार्य है | शिक्षा के बिना मनुष्य विवेकशील और शिष्ट नहीं बन सकता| विवेक से मनुष्य में सही और गलत का चयन करने की क्षमता उत्पन्न होती है| विवेक से ही मनुष्य के भीतर उसके चारों ओर घटते घटनाक्रमों के प्रति एक उचित दृष्टिकोण उत्पन्न होता है| शिक्षा ही मानव- को- मानव के प्रति मानवीय भावनाओं से पोषित करती है |

शिक्षा से मनुष्य अपने परिवेश के प्रति जाग्रत होकर कर्तव्य के प्रति सजग हो जाता है| 'स्व' से 'पर' की ओर अग्रसर होने लगता है| निर्बल की सहायता करना, दुखियों के दुख दूर करने का प्रयास करना, दूसरों के दुख से दुखी हो जाना और दूसरों के सुख से

स्वयं सुख का अनुभव करना जैसी बातें एक शिक्षित मानव में सरलता से देखने को मिल जाती हैं| इतिहास, साहित्य, राजनीति शास्त्र, समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र इत्यादि पढ़कर विद्यार्थी विद्वान ही नहीं बनता,वरन् उसमें विशिष्ट जीवन दृष्टि, रचनात्मकता और परिपक्वता का भी सृजन होता है| शिक्षित सामाजिक परिवेश में व्यक्ति अशिक्षित सामाजिक परिवेश की तुलना में सदैव उच्च स्तर पर जीवन- यापन करता है|

आज के आधुनिक युग में शिक्षा का अर्थ बदल रहा है| शिक्षा भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति का साधन बनती जा रही है| व्यावसायिक शिक्षा के अंधानुकरण से छात्र सैद्धांतिक शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं, जिसके कारण रूस की क्रांति ,फ्रांस की क्रांति, अमेरिकी क्रांति ,समाजवाद, पूँजीवाद, राजनीतिक व्यवस्था, सांस्कृतिक मूल्यों आदि की सामान्य जानकारी भी व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को नहीं है| यह शिक्षा का विशुद्ध रोजगारोन्मुख रूप है| शिक्षा के प्रति इस प्रकार का संकुचित दृष्टिकोण अपनाकर विवेकशील नागरिकों का निर्माण नहीं किया जा सकता | भारत जैसे विकासशील देश में शिक्षा रोजगार का साधन न होकर साध्य हो गई है| इस कुप्रवृत्ति पर अंकुश लगाना आवश्यक है| जहाँ मानविकी के छात्रों को पत्रकारिता, साहित्य- सृजन, विज्ञापन, जनसंपर्क इत्यादि कोर्स भी कराए जाने चाहिए, ताकि उन्हें रोजगार के लिए भटकना न पड़े, वहीं व्यावसायिक कोर्स करने वाले छात्रों को मानविकी के विषय; जैसे इतिहास, साहित्य, राजनीति शास्त्र ,दर्शन आदि का थोड़ा-बहुत अध्ययन अवश्य करना चाहिए, ताकि समाज को विवेकशील नागरिक प्राप्त होते रहें, तभी समाज में संतुलन बना रह सकेगा |

प्रश्न क - उपयुक्त शीर्षक है-

i - अशिक्षा , ii -शिक्षा का महत्व iii - व्यावसायिक शिक्षा iv - तकनीकी शिक्षा

प्रश्न ख - शिक्षा के द्वारा मनुष्य बनता है-

i - विवेक शील ii - शिष्ट iii - कर्तव्य के प्रति जागरूक iv - उपर्युक्त सभी

प्रश्न ग - विवेक से उत्पन्न होता है-

i - सही- गलत की पहचान ii - निजी स्वार्थ iii - भौतिक संसाधन की प्रति लालसा iv - चापलूसी

प्रश्न घ - 'स्व' का क्या आशय है-

i परोपकार करना ii दूसरों की सेवा करना iii अच्छी पढ़ाई करना iv स्वार्थ पूरा करना

प्रश्न ङ - 'पर' से क्या आशय है-

i अपना स्वार्थ पूरा करना ii चापलूसी करना iii पढ़ाई करना, iv दूसरों की सहायता करना

प्रश्न च - शिक्षित मानव में कौन से गुण सहजता से मिल जाते हैं-

i कमजोर की सहायता करना ii दूसरों के दुख दूर करना iii दूसरों के सुख से सुख का अनुभव करना iv उपर्युक्त सभी

प्रश्न छ - आधुनिक युग में शिक्षा किस ओर जा रही है-

i आध्यात्मिकता की ओर ii परोपकार की ओर iii समाज सेवा की ओर iv भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति की ओर

प्रश्न ज - व्यावसायिक शिक्षा के अंधानुकरण से छात्रों पर क्या प्रभाव पड़ रहा है-

i सैद्धांतिक शिक्षा की ओर बढ़ रहे हैं ii सैद्धांतिक शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं iii अपने काम में लगे रहते हैं iv सभी

प्रश्न झ - व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण वाले छात्रों किस बात की जानकारी नहीं होती है-

i राजनीतिक व्यवस्था ii समाजवाद, iii सांस्कृतिक मूल्य, iv सभी

प्रश्न ञ - मानविकी के छात्र रोजगार के लिए ना भटके इसके लिए क्या करना चाहिए-

i पत्रकारिता का ज्ञान कराना चाहिए ii साहित्य सृजन और विज्ञापन का ज्ञान कराना चाहिए

iii जनसंपर्क का कोर्स करना चाहिए iv सभी का ज्ञान कराना चाहिए

प्रश्न 2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ कर पूछे प्रश्नों के उत्तर दीजिए:- 5x1=5

पैदा करती कलम विचारों के जलते अँगारे
और प्रज्वलित प्राण देश क्या कभी मरेगा मारे?
लहू गर्म करने को रखो मन में ज्वलित विचार,
हिंस्र जीव से बचने को चाहिए किंतु तलवार|
एक भेद है और जहां निर्भय होते नर- नारी
कलम उगलती आग जहाँ अक्षर बनते चिंगारी
जहाँ मनुष्य के भीतर हरदम जलते हैं शोले

बातों में बिजली होती, होते दिमाग में गोले,
जहाँ लोग पालते लहू में हालाहल की धार
क्या चिंता यदि वहाँ हाथ में हुई नहीं तलवार

(क) कलम किसका प्रतीक है-

i पेन ii लेखनी iii तलवार, iv कागज

(ख) तलवार की आवश्यकता कहाँ पड़ती है -

i-हिंसक जीव से बचने के लिए ii अपना धाक जमाने के लिए iii अन्याय करने के लिए, iv सभी

(ग) लहू के गर्म करने से कवि का क्या आशय है-

i. लड़ाई लड़ना, ii. जोश बनाए रखना iii शान्त रहना iv कोई नहीं

(घ) कैसे व्यक्ति को तलवार की आवश्यकता नहीं होती -

i. वीर पुरुष को ii. साहसी व्यक्ति को iii कवि और साहित्यकार को iv सभी को

(ङ) 'कलम उगलती आग' से क्या आशय है-

i. क्रांतिकारी विचारों से ii. शांतिपूर्ण विचारोंसे iii झगड़ालू विचारों से iv सभी

अथवा

गाता खग प्रातः उठ कर, सुंदर सुखमय जग-जीवन !
गाता खग संध्या तट- पर,मंगल, मधुमय जगजीवन!
कहती अपलक तारावलि, अपनी आँखों का अनुभव
अवलोक आँख आँसू की, भर आतीं आँखें नीरव !
हँसमुख प्रसून सिखलाते , पल भर है, जो हँस पाओ
अपने उर की सौरभ से, जग का आँगन भर जाओ!
उठ-उठ लहरें कहतीं हैं यह, हम कूल विलोक न पाएँ
पर इस उमंग में बह-बह नित आगे बढ़ती जाएँ!
कँप-कँप हिलोर रह जाती- रे मिलता नहीं किनारा !
बुदबुद् विलीन हो चुपके पा जाता आशय सारा |

प्रश्न क - पक्षी कब गाते हैं ?

i सुबह और दोपहर ii दोपहर और शाम iii सुबह और शाम iv शाम और रात्रि

प्रश्न ख - तारावलि क्या कहती है ?

i आंखों का अनुभव ii अस्मिता का iii प्रसन्नता का अनुभव iv घर का अनुभव

प्रश्न ग - फूल हमें क्या सिखाते हैं ?

i हँसना ii रोना iii गाना iv पढ़ना

प्रश्न घ - लहरें उठ- उठ कर क्या शिक्षा देती हैं ?

i हमें जीवन में निरंतर आगे बढ़ना चाहिए ii हमें अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहिए iii दूसरों को कष्ट देना चाहिए iv सभी

प्रश्न ङ - प्रकृति का चित्रण किस रूप में किया गया है ?

i उपदेशक के रूप में ii शिक्षक के रूप में iii गुरु के रूप में iv सभी रूप में

कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए :- 5x1=5

क क्षेत्र विशेष की विशेष जानकारी देना या विश्लेषण करना कौन -सी पत्रकारिता कहलाती है-

i पीत पत्रकारिता, ii खोजी पत्रकारिता, iii पेज थ्री पत्रकारिता iv सभी

ख- हिंदी पत्रकारिता दिवस कब मनाया जाता है-

i 28 मई ii 29मई iii 30मई iv 31मई

ग- 'इंट्रो' किसका एक भाग है-

i पीत पत्रकारिता ii उल्टा पिरामिड, iii पत्रिकाएं iv कोई नहीं

घ - पीटीआई और भाषा किससे संबंधित है-

I समाचार एजेंसी ii पत्रकार ii संपादक iv कोई नहीं

ङ फोटो पत्रकारिता किसी कहते हैं-

i -शब्दों के माध्यम से विचार व्यक्त करना ii- चित्र के माध्यम से विचार व्यक्त करना iii दोनों सही है iv- दोनों गलत है

पाठ्य-पुस्तक आधारित प्रश्न

प्रश्न 4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर को नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए:- 5x1=5

अर्ध राति गइ कपि नहिं आयउ | राम उठाइ अनुज उर लायऊ ||

सकहु न दुखित देखि मोहि काऊ | बंधु सदा तव मृदुल सुभाऊ ||

मम हित लागि तजेहु पितु माता | सहेहु बिपिन हिम आतप बाता ||

सो अनुराग कहाँ अब भाई | उठहु न सुनी मम बच बिकलाई ||

जौं जनतेउँ बन बंधु बिछोहू | पितु बचन मनतेउँ नहिं ओहू ||

सुत बित नारि भवन परिवारा | होहिं जाहिं जग बारहिं बारा ||

अस बिचारि जियँ जागहु ताता | मिलइ न जगत सहोदर भ्राता ||

जथा पंख बिनु खग अति दीना | मनि बिनु फनि करिबर कर हीना ||

अस मम जिवन बंधु बिनु तोहि | जौं जड़ दैव जिआवै मोही ||

(क) - राम, लक्ष्मण के किस स्वभाव का स्मरण करते हैं ?

i . भाईचारा ii . कोमल iii . प्रेममयी iv . सेवा-भाव

(ख) उपर्युक्त काव्यांश तुलसीदास की किस रचना का अंश है ?

i. कवितावली ii विनयपत्रिका iii रामचरितमानस iv दोहावली

(ग) संसार में कौन बार -बार नहीं मिलता है ?

i . पत्नी ii धन iii भ्राता iv पुत्र

(घ) राम ने लक्ष्मण की तुलना किस -किस से की है ?

i सूड़ ii मणि iii पंख iv सभी

(ङ) राम यदि जानते कि वनागमन के क्या परिणाम होंगे, तब वे क्या नहीं करते?

i रावण से युद्ध न करते| ii लक्ष्मण को वन में साथ न लाते|

iii माँ के वचन का पालन न करते| iv पिता के वचन का पालन न करते|

प्रश्न 4 - निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछें गए के प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 5 x1=5

इसी प्रकार स्वतंत्रता पर भी क्या कोई आपत्ति हो सकती है? गमनागमन की स्वाधीनता, जीवन तथा शारीरिक सुरक्षा की स्वाधीनता के अर्थों में शायद ही कोई 'स्वतंत्रता' का विरोध करे। इसी प्रकार संपत्ति के अधिकार, जीविकोपार्जन के लिए आवश्यक औज़ार व सामग्री रखने के अधिकार जिससे शरीर को स्वस्थ रखा जा सके, के अर्थ में भी 'स्वतंत्रता' पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती| तो फिर मनुष्य की शक्ति के सक्षम एवं प्रभावशाली प्रयोग की भी स्वतंत्रता क्यों न | प्रदान की जाए? जातिप्रथा के - पोषक, जीवन, शारीरिकसुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्व-तंत्रता को तो स्वीकार कर लेंगे, परंतु मनुष्य के लक्षण एवं

प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता देने के लिए जल्दी तैयार नहीं होंगे, क्योंकि इस प्रकार की स्वतंत्रता का अर्थ होगा अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता किसी को नहीं है, तो उसका अर्थ उसे 'दासता' में जकड़कर रखना होगा, क्योंकि 'दासता' केवल कानूनी पराधीनता को ही नहीं कहा जा सकता| 'दासता' में वह स्थिति भी समिल्लित है जिससे कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है| यह स्थिति कानूनी पराधीनता न होने पर भी पाई जा सकती है| उदाहरणार्थ, | जाति प्रथा की तरह ऐसे वर्ग होना संभव है, जहाँ कुछ लोगों को अपनी इच्छा के विरुद्ध पेशे अपनाने पड़ते हैं।

(क) दासता में कौनसी अवधारणा समिल्लित नहीं है- ? सही विकल्प छाँटिए

i स्वाधीनता के साथ जीना| ii कानूनी पराधीनता का होना|

iii इच्छा के विरुद्ध कार्य करना। iv दूसरों द्वारा निश्चित कार्य करना।

(ख) मनुष्य के प्रभावशाली प्रयोग से लेखक का तात्पर्य है: सही विकल्प छाँटिए:

i उसे शारीरिक स्वतंत्रता प्रदान की जाए। ii उसे अपनी इच्छा से कार्य करने की स्वतंत्रता दी जाए।

iii उसे अपनी मर्जी से जाति के चयन का अधिकार मिले| iv . उसे शारीरिक-सुरक्षा तथा संपत्ति का अधिकार दिया जाए। |

(ग) जाति-प्रथा के पोषक यदि मनुष्य के लक्षण एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता दें, तब इसका क्या परिणाम होगा ? सही विकल्प छाँटिए

i दासता को बढ़ावा मिलेगा। ii स्वतंत्रता को बढ़ावा मिलेगा|

iii कानूनी-पराधीनता बढ़ जाएगी| iv लोकतांत्रिक मूल्य सुदृढ़ होंगे|

(घ) 'स्वतंत्रता' पर किसी को कोई आपत्ति क्यों नहीं है? सही विकल्प छाँटिए:

i इससे समाज में दासता समाप्त हो जाएगी। ii क्योंकि स्वतंत्रता सभी को जाति विरोधी लगती है।

iii क्योंकि सभी को स्वतंत्र और सुरक्षित रहना प्रिय है| iv इसके साथ भी जातिवाद और शोषण की प्रक्रिया बनी रहती है|

(ङ) जाति-प्रथा के पोषक से लेखक का क्या तात्पर्य है? सही विकल्प का चयन कीजिए:

i जाति के चयन को बढ़ावा देने वाले। ii जातिगत भेदभाव को प्राथमिकता देने वाले|

iii जातिगत भेदभाव के व्यवहार को समाप्ति देने वाले| iv जाति को कानूनी मान्यता दिलाने की कोशिश करने वाले|

पूरक पाठ्य-पुस्तक

प्रश्न 6. निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए: 10X1=10

(क) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी में किसका उल्लेख नहीं है ? सटीक विकल्प का चयन कीजिए:

i यशोधर पंत ii किशन दा iii जनार्दन | iv गोवर्धन |

(ख) "सिंधु-सभ्यता साधन-संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था।" प्रस्तुत पंक्ति से तात्पर्य है: 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर सटीक विकल्प का चयन कीजिए:

i इस सभ्यता में राजा प्रजा की तरह सादगी से रहता था | ii इस सभ्यता में साधन बहुत थे जो देखने में आकर्षक थे |

iii इस सभ्यता में सभी प्रकार के साधन थे किंतु दिखावा नहीं था| iv इस सभ्यता में सभी लोग संपन्न थे |

(ग) यशोधर पंत पर किसका प्रभाव था : कहानी सिल्वर वैडिंग' से सही विकल्प छाँटिए..

i किशनदा का (ii) पत्नी का iii बच्चों का iv पिता का

(घ) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के अनुसार- "सिंधु-सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्य-बोध है जो राज-पोषित या धर्म-पोषित न होकर समाज-पोषित था|" ऐसा इसलिए कहा गया है क्योंकि:

i सिंधु घाटी सभ्यता में शासन व्यवस्था के प्रति सजगता थी ii सिंधु घाटी सभ्यता में राजा का बड़ा स्थान था|

iii सिंधु घाटी सभ्यता में धर्म का महत्त्व न था, अतः समाज सर्वोपरि था| iv सिंधु घाटी सभ्यता में अमीर-गरीब न थे|

(ङ) वर्तमान में मोहनजोदड़ो और हडप्पा कहाँ पर हैं : सटीक विकल्प का चयन कीजिए:

i भारत । ii अफगानिस्तान । iii पाकिस्तान | iv ईराक |

(च) 'जूझ' शीर्षक का आशय है - सही विकल्प छाँटिए:

i लड़ाई -झगड़ा । ii जीवन में शान्त रहना | iii जीवन में संघर्ष करना | iv परिस्थियों से मुख मोड़ना |

(छ) 'डायरी के पन्ने पाठ की पंक्ति- "प्रकृति-प्रदत्त प्रजनन-शक्ति के उपयोग का अधिकार बच्चे पैदा करें या न करें अथवा कितने बच्चे पैदा करें- इस की स्वतंत्रता स्त्री से छीन कर हमारी विश्व व्यवस्था ने न सिर्फ स्त्री को व्यक्तित्व-विकास के अनेक अवसरों से वंचित किया है बल्कि जनाधिक्य की समस्या भी पैदा की है।" इस कथन के सटीक औचित्य का चयन कीजिए:

i नारियों की स्वतंत्रता के हनन से जनसंख्या वृद्धि की समस्या बढ़ी है। ii नारी की प्रजनन शक्ति ही उसके जीवन का सार है। iii शिक्षित और कामकाजी नारी को व्यक्तिगत निर्णय स्वतः लेने चाहिएँ ivप्रजनन जैसे संघर्षपूर्ण कार्य का निर्णय नारीस्वतःकरें

(ज) कहानी 'सिल्वर वैडिंग' के अनुसार- "यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती हैं लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं।" यशोधर बाबू की असफलता का क्या कारण था ? सही विकल्प का चयन कीजिए:

i किशनदा उन्हें भड़काते थे ii पत्नी बच्चों से अधिक प्रेम करती थी।

iii पीढ़ी के अंतराल के कारण iv वे परिवर्तन को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाते थे |

(झ) "काश, कोई तो होता जो मेरी भावनाओं को गंभीरता से समझ पाता। अफ़सोस, ऐसा व्यक्ति मुझे | अब तक नहीं मिला..." 'डायरी के पन्ने पाठ की पंक्ति में इस कथन का भाव है: सही विकल्प छाँटिए:

i एन.फ्रेंक किसी संवेदनशील व्यक्ति की खोज में थी ii एन. फ्रेंक अकेलेपन से त्रस्त थी और उसे कोई समझ नहीं पा रहा था। iii एन.फ्रेंक एक तहखाने में कैद थी और उसे कोई समझ नहीं पा रहा था iv एन. फ्रेंक सबके मज़ाक की पात्र थी और उसे कोई समझ नहीं पा रहा था|

(ञ) 'जूझ' पाठ के अनुसार- "पढ़ाई-लिखाई के संबंध में लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था।" क्योंकि: सही विकल्प छोटिए:

i लेखक खेती-बाड़ी नहीं करना चाहता था | ii दत्ता जी राव जानते थे कि खेती-बाड़ी में लाभ नहीं है।

iii लेखक का पढ़-लिख कर सफल होना बहुत आवश्यक था | iv लेखक का पिता नहीं चाहता था कि वह आगे की पढ़ाई करे|

खंड 'ब' वर्णनात्मक प्रश्न

कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन (20)

प्रश्न 7- निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए: 5X1=5

i- स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है |

ii - जल ही जीवन है |

iii आत्मनिर्भर भारत |

प्रश्न 8. कोरोना के बढ़ते मामले को ध्यान में रखते हुए अपने कॉलोनी की सुरक्षा के लिए नियमित सेनीटाइज़ की मांग करते हुए अपने नगर निगम के मुख्य अधिशासी अधिकारी को पत्र लिखिए। 5

अथवा

आजकल सड़क दुर्घटनाएँ बहुत हो रहीं है| इसकी रोकथाम के लिए दो उपाय बताते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए

प्रश्न 9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:|

(क) कविता की रचना के लिए शब्द कितना आवश्यक है? **3**

अथवा

कहानी में कथानक क्या है? उदाहरण देकर समझाइए।

(ख) नाटक साहित्य की अन्य विधाओं से अलग कैसे है? 2

अथवा

कहानी की रचना में पात्रों की भूमिका स्पष्ट कीजिये|

प्रश्न 10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:

(क) विशेष लेखन को उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिये? 3

अथवा

फीचर को आत्मनिष्ठ लेखन कहने के कारणों को स्पष्ट कीजिये

(ख) संपादकीय लेखन क्या है?

अथवा

समाचार कैसे लिखा जाता है? 2

पाठ्य-पुस्तक संख्या (20)

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए:

(क) 'कवितावली'- के कवितों के आधार पर सिद्ध कीजिए कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमताओं की अच्छी समझ थी| 3

(ख) 'कैमरे में बंद अपाहिज'- कविता का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में प्रकट करें| 3

(ग) 'कविता के बहाने'- कविता के प्रतिपाद्य के बारे में अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत कीजिए। 3

प्रश्न 12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए:

(क) 'उषा'- कविता गाँव की सुबह का गतिशील चित्रण है। कैसे? 2

(ख) भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए- 2

जो मुझको बदनाम करें हैं काश वे इतना सोच सकें|

मेरा परदा खोले हैं या अपना परदा खोले हैं।।

(ग) बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे? 'एक गीत'- कविता के आधार पर लिखिए।। 2

प्रश्न 13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए:

(क) डॉक्टर भीमराव आंबेडकर 'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' कैसा चाहते थे ? उसकी क्या विशेषताएँ थी ? 3

(ख) 'काले मेघा पानी दे' पाठ का सन्देश अपने शब्दों में लिखिए । 3

(ग) बाज़ार के जादू के चढ़ने-उतरने का मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है? 'बाज़ार दर्शन'- पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए । 3

प्रश्न 14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए:

(क) लुट्टन पहलवान ढोलक क्यों बजाता था? 2

(ख) मानचित्र पर एक लकीर खींच देने भर से जमीन और जनता बँट नहीं जाती है - नमक पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए 2

(ग) भक्तिन अपना वास्तविक नाम लोगों से क्यों छुपाती थी ? भक्तिन को यह नाम किसने और क्यों दिया? 2